Victim Support

Helping people cope with crime

Helping your child cope with the effects of crime

आपके बच्चे को अपराध के प्रभावों से संभलने में मदद देना

इस पत्रक में क्या है

इस पत्रक में बताया गया है कि बच्चे किस तरह से प्रभावित हो सकते हैं और उनकी मदद के लिए क्या उपलब्ध है। इस पत्रक में जिन अपराधों की चर्चा हुई है, उनमें शामिल हैं बच्चों, घर या सम्पत्ति और बच्चे से परिचित लोगों के ख़िलाफ़ होने वाले अपराध। इसमें ऐसे सुझाव दिए गए हैं जिनसे आप अपने बच्चे का हौसला बढ़ा सकते हैं और उसको अपराध के बुरे असर से उबरने में सहायता दे सकते हैं। इसमें विक्टिम सपोर्ट की मुफ़्त और गोपनीय सेवा का उल्लेख है और सहायता के दूसरे स्रोतों की सूची भी है।

एक माता/पिता या देखभाल करने वाले के रूप में, आप अपने बच्चे को सबसे अच्छी तरह जानते हैं और आप ही को अपने बच्चे की समस्याएँ सुलझाने का सबसे अधिक अनुभव भी है।

इस पत्रक में मुख्यतः अपेक्षया छोटे बच्चों के अनुभव दिए गए हैं।

विक्टिम सपोर्ट क्या है?

विक्टिम सपोर्ट अपराध से प्रभावित लोगों के लिए एक स्वतंत्र चैरिटि यानी परोपकारी संस्था है। प्रशिक्षित लोकल वालंटीयर्स यानी स्थानीय स्वयंसेवक ऐसे लोगों को मुफ़्त गोपनीय सलाह और जानकारी उपलब्ध कराते हैं। लोगों से हमारा संपर्क पुलिस और दूसरे संगठन कराते हैं, या लोग हमसे ख़ुद सीधा संपर्क कर लेते हैं।

विक्टिम सपोर्ट इंग्लैंड और वेल्स के हर क्रिमिनल कोर्ट यानी अपराधिक अदालत में विटनेस सर्विस चलाती है। जब कोर्ट में उपस्थित होना होता है, तब प्रशिक्षित वालंटीयर्स, अपराध के शिकार लोगों, गवाहों और उनके परिवार के सदस्यों को भावनात्मक सहारा और सचमुच काम आने वाली जानकारी और सहारा देते हैं। अगर आप या आपका बच्चा अपराध से प्रभावित हुआ है, तो विक्टिम सपोर्ट आप दोनों ही को अपराध के अनुभव से उबरने में मदद दे सकती है।

विक्टिम सपोर्ट साधारणतः 16 साल से कम उम्र के बच्चों को उनके माता-पिता या देखभाल करने वालों की इजाज़त लेकर देखती है। हम जानते हैं कि आप अपने बच्चे की ख़ुशहाली के बारे में चिंतित हैं। विक्टिम सपोर्ट ने आपके बच्चे की हिफ़ाज़त के लिए कड़ी नीतियाँ और कार्यप्रथाएँ क़ायम कर रखी हैं (माँगने पर इनकी प्रतियाँ उपलब्ध की जा सकती हैं)।

हमारी सेवा के बारे में अधिक जानकारी, जिसमें अधिक गंभीर समस्याओं में ख़ास तरह की मदद भी शामिल है, इस पत्रक के अंत में दी गई है।

अपराध के परिणाम

लोगों की अपराध के प्रति प्रतिक्रिया में काफ़ी अंतर होता है। हालाँकि अपराध के शिकार अधिकतर लोगों पर अपराध का हानिकारक असर लम्बे अर्से तक नहीं बना रहता है, फिर भी वयस्क और बच्चे दोनों ही गंभीर रूप से प्रभावित हो सकते हैं।

डर, चिंता, गुनाहगार होने की भावना, गुस्सा आदि कुछ ऐसी भावनाओं में से हैं, जिनको अपराध से प्रभावित बच्चे और वयस्क महसूस कर सकते हैं। पर इनके अलावा, कई दूसरी प्रतिक्रियाएँ भी काफ़ी आम और स्वाभाविक हैं। लड़के और लड़कियों दोनों ही का बराबर से अपराध से प्रभावित होना संभव है और एक ही परिवार के अंदर अलग-अलग बच्चे अलग-अलग तरह से प्रतिक्रिया कर सकते हैं।

कोई भी बच्चा इतना छोटा नहीं होता है कि उसे धक्का न लगे या कष्ट न महसूस हो। फिर भी, ख़ास तौर से छोटे बच्चे यह समझने में परेशानी महसूस करते हैं कि घटना क्या हुई है और वे जैसा मेहसूस कर रहे हैं, उसकी वजह क्या है।

अपराध से शारीरिक और भावनात्मक लक्षण दोनों ही पैदा हो सकते हैं। आपका बच्चा सिर दर्द, पेट में दर्द, मतली आना, और सामान्य दर्द और पीड़ा की शिकायत कर सकता है। अन्य प्रतिक्रियाओं में शामिल हो सकते हैं, खाने या नींद आने में समस्याएँ अनुभव करना, स्कूल का काम ठीक तरह न कर पाना, अंधेरे से डर लगना या दूसरे बच्चों से दूर रहना। संभव है कि प्रभावित बच्चे और उनके आस-पास के लोगों को समझ में न आए या वे यह न कहें कि ये समस्याएँ अपराध से जुड़ी हुई हैं।

आप अपने बच्चे की सहायता कैसे कर सकते हैं

आप अपने बच्चे को सबसे अच्छी तरह जानते हैं, इसलिए यह ज़रूरी है कि आप उसकी ज़रूरतों के बारे में सोचें और अपराध के बाद उसके व्यवहार और भावनाओं में अगर कोई परिवर्तन हुए हों, तो उनको पहचानें। और, अगर आप भी अपराध से प्रभावित हुए हैं, तो आपके लिए यह समझने में मुश्किल हो सकती है कि यह ज़रूरी नहीं कि आपका बच्चा उसी तरह प्रभावित हो, जिस तरह से कि आप हुए हैं।

अगर बच्चों को अपने परिवार से प्यार और सहारा मिले, तो किसी चोट पहुँचाने वाले अनुभव से उबरने में उनको अपेक्षया कम समय लगता है।

अपने बच्चे का हौसला बढ़ाना

बच्चों को अपने माता-पिता या देखभाल करने वाले कैरर को अपराध की घटना के विवरण देना कठिन लग सकता है। उनको लग सकता है कि वे किसी मुसीबत में पड़ जाएंगे, या वे कोई गुनाह कर रहे हैं। इसलिए आपको अवश्य ही अपने बच्चे को ज़ाहिर कर देना चाहिए कि आप खुश हैं कि उसने आपको अपराध की घटना के बारे में बताया। हम आशा करते हैं कि यह जानकर उसका हौसला बढ़ेगा कि आप उसकी सुरक्षा को उसके सामान, जैसे कि उसकी सायकिल या मोबाइल फ़ोन, के खो बैठने से अधिक महत्त्व देते हैं।

हो सकता है कि आप सोचते हों, कि आपके बच्चे ने ख़तरनाक काम किया था, फिर भी इसका मतलब यह तो बोल्कुल नहीं है कि उसपर कोई हमला करे या उसका सामान चुरा ले।

आपके बच्चे को बहुत फ़िक्र हो सकती है कि उसके साथ जो अपराध हुआ है, उसके बारे में जानकर आपकी प्रतिक्रिया न जाने कैसी होगी।

हो सकता है कि आपको अपने बच्चे को आश्वासन देना पड़े कि जो कुछ हुआ, वह इसलिए नहीं हुआ कि उसने कुछ ग़लती कर दी थी। खुद को अपराध से सुरक्षित रखना सामान्य जीवन का एक हिस्सा है - लेकिन आप यह भी नहीं चाहेंगे कि आपका बच्चा अपना सारा समय अपराध से बचने की फ़िक्र में बिताए।

हो सकता है कि, जब वे इसके लिए तैयार हो जाएँ, कुछ बच्चों को आपके साथ उस जगह जाने से लाभ हो जहाँ अपराध की घटना हुई थी। लेकिन ग़लत परिस्थिति में इससे बच्चा डर भी सकता है - इसलिए आपके लिए ज़रूरी है कि आप अपने बच्चे की ज़रूरतों के प्रति जागरूक रहें।

विचार करने योग्य अन्य बातें

अपने बच्चे को उसकी पुरानी दिनचर्या या आदतों की तरफ़ ज़रूरत से जल्दी लौटाने की कोशिश मत कीजिए। उसे अपनी ही गति सें आगे बढ़ने दीजिए और अधिक अच्छा यह होगा कि आप उसे धीरे-धीर अलग-अलग चरणों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। नई गतिविधियाँ (खेलकूद, क्लब जाना आदि) या नए मित्र बनाने से बच्चों को अच्छा महसूस करने में मदद मिल सकती है, लेकिन एक बार फिर, सबसे महत्त्वपूर्ण यह है कि आप अपने बच्चे को उसकी अपनी गति के अनुसार आगे बढ़ने दें। आपको इसपर विचार करना चाहिए कि आपने पहले जब कभी भी अपने बच्चे को सफलता से मदद दी थी या प्रोत्साहित किया था, तब आपके तरीक़े क्या थे।

हो सकता है आपको लगे कि अगर आप अपने बच्चे से अपराध के बारे में बात करेंगे, तो स्थिति और बिगड़ेगी। लेकिन चुप रहने से बच्चे को आश्चर्य हो सकता है कि कोई बात क्यों नहीं की जा रही है जिससे उसकी उलझन और घबराहट और बढ़ सकती है। समस्या से कतराने से समय के साथ-साथ, डर बढ़ सकता है।

बच्चों को बताने दीजिए कि वे कैसा महसूस कर रहे हैं और उनको इसका ऐसहास होने दीजिए कि आप उनकी बात ध्यान से सुन रहे हैं। उनको जितना हो सके उतनी जानकारी दीजिए और यह भी देखा गया है कि उनके सवालों के जवाब सच्चाई से देने से फ़ायदा होता है। अगर आपके बच्चे को बार-बार अपराध की घटना के बारे में बात करने की इच्छा होती है, तो उसे ऐसा करने दीजिए।

अपने बच्चे को अपनी भावनाओं का सामना करने के लिए काफ़ी समय दीजिए। हौसला बढ़ाने से उसे मुश्किल परिस्थितियों को आत्मविश्वास के साथ सामना करने में मदद मिलेगी।

कुछ बच्चों को अप्रिय घटनाओं के बारे में बात करने में कठिनाई महसूस हो सकती है। संभव है कि बात करने के बजाय, उनको अपराध के बारे में कोई तस्वीर बनाना या कहानियाँ लिखना कम मुश्किल लगे। इसलिए उनको अपनी पसंद के मुताबिक अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहन देने से उनको फ़ायदा हो सकता है।

आप अपने बच्चे से क्यों नहीं पूछते कि क्या करने से वह अधिक सुरक्षित महसूस करेगा? हो सकता है वह कोई ऐसी बात सुझाए जिसके बारे में आपने सोचा ही नहीं था।

अपने परिवार के डॉक्टर या हैल्थ विज़िटर से सलाह लेना उपयोगी हो सकता है, ख़ास तौर से अगर आपका बच्चा परेशान रहता है या स्वास्थ्य की उसकी कुछ ऐसी समस्याएँ हैं जिनके बारे में आप कुछ नहीं कर पाते हैं।

विक्टिम सपोर्ट आपकी कैसे मदद कर सकता है

हम आपको प्रशिक्षित वालंटीयर्स उपलब्ध करा सकते हैं जिनसे आप गोपनीय रूप से बात कर सकते हैं।

वालंटीयर आपसे और आपके परिवार के दूसरे सदस्यों के साथ इस पत्रक में उठाए गए मुद्दों के बारे में बात करेंगे और आप और आपके बच्चे को अपराध के परिणामों का सामना करने में मदद देने के अलग-अलग तरीक़ों के विषय पर विचार-विमर्श करेंगे।

सचमुच काम आने वाली मदद और सहारा

अगर आप चाहें, तो हमारे वालंटीयर आप और आपके बच्चे के साथ पुलिस स्टेशन जा सकते हैं। वे दूसरी संस्थाओं, जैसे कि स्कूलों, के साथ बातचीत करने में भी आपकी सहायता कर सकते हैं। वे आपको कोर्ट की कार्यप्रणाली, मरम्मत के मामलों, इंश्योरेंस, घर की सुरक्षा और क्षतिपूर्ति के बारे में भी जानकारी दे सकते हैं।

कोर्ट में मदद

अगर आपका मामला कोर्ट जा रहा है, तो विक्टिम सपोर्ट की विटनेस सर्विस आप और आपके बच्चे को इस अनुभव को समझने और उसका सामना करने में मदद दे सकती है। अगर आपके बच्चे को गवाह बनने की ज़रूरत है, तो पुलिस से एक ख़ास जानकारी का पैक उपलब्ध है।

आपके के लिए मदद

हो सकता है कि आपके बच्चे के अलावा दूसरों को भी सहारे की ज़रूरत हो। संभव है कि आप और आपके परिवार के सदस्य भी, तीव्र भावनाएँ महसूस कर रहे हों।

Victim Support
Helping people cope with crime

कुछ माता-पिता या देखभाल करने वालों को घटना के कारण बहुत गुस्सा आता है या वे चिंतित रहते हैं। दूसरे माता-पिता या देखभाल करने वाले अपने बच्चों को उतना सहारा नहीं दे पाते जितना उनको देने की इच्छा होती है।

विक्टिम सपोर्ट आप सब ही को सहायता देने के लिए मौजूद है।

विक्टिम सपोर्ट से संपर्क करना

अपराध के शिकार लोगों से हमारा संपर्क साधारणतः पुलिस करवाती है। लेकिन कोई भी हमसे सीधे संपर्क कर सकता है, चाहे उन्होंने अपराध की रिपोर्ट की है या नहीं की है। विक्टिम सपोर्ट से संपर्क करने की जानकारी इस पत्रक के पीछे दी हुई है।

दूसरे संगठनों से संपर्क

इस पत्रक के पृष्ठ 6 के अलावा, अगर आपको दूसरे तरह की मदद की आवश्यक्ता है, तो हमारे वालंटीयर्स या विक्टिम सपोर्टलाइन दूसरे संगठनों से आपका संपर्क करवा सकती है।

विशेष प्रकार के अपराध की जानकारी

बच्चों के विरुद्ध अपराध

कोई भी बच्चा अपराध का शिकार हो सकता है। बच्चों के विरुद्ध होने वाले कुछ आम अपराधों में शामिल हैं चोरी या लूट-मार, हमला, जातीय उत्पीड़न (रेश्यल हैरेस्मेंट) और बुलिइंग यानी छेड़कर परेशान करना।

कभी-कभी अपराध के शिकार बच्चों को सदमा पहुँच सकता है, गुस्सा आ सकता है, उनमें बदला लेने की भावना जाग सकती है, उनको अकेले कहीं भी बाहर जाने में डर लग सकता है, या जहाँ उनपर पहले हमला हुआ था, वहाँ दोबारा जाने में उनको डर महसूस हो सकता है (ऐसी जगहों में, स्कूल भी शामिल हो सकता है)।

उनको नींद आने में भी समस्याएँ हो सकती हैं, हो सकता है वे लोगों से मिलने-जुलने में दिलचस्पी खो बैठें, या आने वाले कोर्ट केस यानी अदालती मामले के बारे में वे चिंता करने लगें।

बुलिइंग

बुलिइंग एक आम समस्या है जिससे इससे प्रभावित लोगों को बहुत कष्ट होता है। कुछ लोगों का मानना है कि बुलिइंग अपराध नहीं है और सामान्यतः यह बच्चों द्वारा बच्चों के विरुद्ध होता है। लेकिन, अगर वयस्कों को बुलिइंग से जुड़ी कुछ चीज़ें झेलनी पड़ें, तो अक्सर वे कहेंगे कि वे अपराधिक मामले हैं (उदाहरण के लिए हिंसात्मक हमले, चोरी और ज़ोर ज़बरदस्ती करके चीज़ें ऐंठ लेना)।

बुलिइंग एक गंभीर बात है और यह आवश्यक है कि उसके विरुद्ध क़दम उठाए जाएँ। विक्टिम सपोर्ट की विभिन्न शाखाओं और दूसरे संगठनों से आपको सहायता मिल सकती है (कृपया सूची के लिए पृष्ठ 6 देखिए)। उदाहरण के लिए, अगर आप चाहते हों, तो विक्टिम सपोर्ट का एक प्रशिक्षित वालंटीयर आपके बच्चे के स्कूल से आपका मुद्दा उठा सकता है।

घर या सम्पत्ति के विरुद्ध अपराध

अगर आपके बच्चे के विरुद्ध कोई अपराध हो, तो वह काफ़ी परोक्ष तरीक़े से प्रभावित हो सकता है। लेकिन, बच्चे अक्सर अपरोक्ष तरह से अपराध के शिकार होते हैं। इसका मतलब है कि वे उनके माता-पिता या रिश्तेदारों या उनकी सम्पत्ति के विरुद्ध हुए अपराध से प्रभावित होते हैं। जैसे कि, कोई बच्चा उसके घर पर हुई चोरी से गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है, चाहे वो वहाँ रहा हो या नहीं और चाहे वो उस समय सो ही क्यों न रहा हो।

चोरी के प्रति बच्चों की प्रतिक्रिया में भी भिन्नता हो सकती है। कुछ बच्चे रात के समय डर जाते हैं, उनको ठीक से नींद नहीं आती, बुरे सपने आते हैं और वे अँधेरे से या अकेले सोने से डरते हैं। दूसरे बच्चों को घर पर रहने में बेचैनी महसूस होती है; उनको घर पर अकेले रहने या घर के कमरों में अकेले आने-जाने में डर लग सकता है; या वे इस भय में रह सकते हैं कि चोर दोबारा आ जाएगा। इन बातों से बच्चों के रहन-सहन पर असर पड़ सकता है जिसकी वजह से वे घर की तलाशी लेने लग सकते हैं या घर छोड़कर बाहर जाने से इनकार करने लग सकते हैं।

अपराध जिस परिस्थिति में हुआ हो, उससे फ़र्क पड़ सकता है - उदाहरण के लिए, चोर किस तरीक़े से घर के अंदर घुसा, क्या बच्चे के कमरे में कोई गड़बड़ी हुई थी या नहीं, या क्या चोरी का पता सबसे पहले बच्चे ने किया था।

आप क्या कर सकते हैं

बच्चों को अपने घर पर एक बार फिर सुरक्षित महसूस करने में दूसरे माता-पिताओं ने कुछ चीज़ों को उपयोगी पाया है :

- प्रभावित बच्चे को शोर मचाने वाला एक पर्सनल अलार्म या रौशनी करने के लिए एक टॉर्च देने से हो सकता है कि बच्चा अधिक सुरक्षित महसूस करे और उसको लगे कि वह अपनी परिस्थिति को नियंत्रित कर सकता है।
- कमरे में रात भर या सोने जाने के समय तक एक बत्ती जलाए रखने से अँधेरे का भय कम हो सकता है। अगर आप नहीं चाहते कि आपका बच्चा इस तरह की चीज़ पर निर्भर करे, तो आपको सोचना चाहिए कि यह क़दम बस कुछ समय तक के लिए लिया जाने वाला है - संभव है कि आपके बच्चे को धीरे-धीरे अँधेरे में सोने की दोबारा आदत डालने की ज़रूरत हो।
- किसी रेडियो या टेप पर संगीत सुनने से हो सकता है बच्चे को शांति और आराम मिले। उसके सोने के कमरे के दरवाज़े को खुला छोड़ने से उसको आश्वासन मिल सकता है कि अगर उसे ज़रूरत होगी, तो वो जल्दी से आपको आवाज़ लगाकर मदद के लिए बुला सकता है।
- घर की सुरक्षा बेहतर बनाने की बातचीत में अपने बच्चों को भी शामिल करने से उनको अधिक सुरक्षित महसूस करने में मदद मिल सकती है। अगर नए ताले लगवाए जा रहे हैं, तो अपने बच्चों को उन्हें फ़िट होते हुए देखने दीजिए। आपको अपने लोकल पुलिस क्राइम प्रिवेंशन ऑफ़िसर्स (local police crime prevention officers - स्थानीय अपराध निरोधक पुलिस अफ़्सरों) से घर की सुरक्षा के बारे में सलाह मिलनी चाहिए।

बच्चे से परिचित लोगों के विरुद्ध अपराध

इस तरह के अपराधों का प्रकार ऐसा हो सकता है कि माता-पिता या बच्चे की देखभाल करने वालों को अपनी परिस्थिति, अपनी और साथ में अपने बच्चे की भावनाओं से निपटने में ख़ास कठिनाई महसूस हो।

हमें मालूम है कि बच्चे अपने प्रियजनों - जैसे कि उनके माता-पिता या देखभाल करने वाले व्यक्ति - के साथ हुए अपराधों से बहुत गंभीर रूप से प्रभावित हो सकते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि वे अपने किसी प्रियजन की ख़ुशहाली और सुरक्षा और साथ में अपनी ख़ुद की सुरक्षा के बारे में चिंतित हों।

परिवार के सदस्यों के बीच हिंसात्मक या आक्रमणशील व्यवहार बच्चों के लिए ख़ास तौर से कष्टदायक होता है।

बच्चों को ऐसी परिस्थितियों में बहुत आश्वासन की ज़रूरत हो सकती है। बच्चे की भावना का पता लगाने के लिए समय लीजिए।

बच्चों को यह समझने में बहुत मदद की ज़रूरत हो सकती है कि कोई घटना कैसे हुई और उसके कारण दूसरी चीज़ें क्यों हुई हैं। मिसाल के तौर पर, अगर किसी को चोट लगी है और वह अस्पताल में है, तो हो सकता है आपको बच्चे को समझाना पड़े कि उस व्यक्ति को चोटें किस कारण लगीं, और अस्पताल ऐसी जगह है जहाँ लोग सामान्यतः ठीक होने के लिए जाते हैं।

अन्य अपराधों के होने पर मदद

हो सकता है कि आप दूसरे, संभवतः अधिक गंभीर अपराधों के बारे में चिंतित हों जिनका ज़िक्र इस पत्रक में नहीं हुआ है।

हमारे यहाँ प्रशिक्षित वालंटीयर्स हैं जो बलात्कार और लैंगिक हमले, जातीय उत्पीड़न, पारिवारिक हिंसा, ख़ून और मानवहत्या जैसी समस्याओं का सामना करने में मदद दे सकते हैं।

अगर आप किसी दूसरे के बच्चे के कल्याण के बारे में चिंतित हैं, तो हम आपको किसी उचित संगठन से संपर्क करवा सकते हैं जो उस क्षेत्र में ज़िम्मेदार है।

अन्य संगठन

ऐंटी–बुलिइंग कैम्पेन

Anti- Bullying Campaign

टेलिफ़ोन : 020 7378 1446

ईमेल : help@bullying.co.uk

स्कूल में बुलिइंग के शिकार हुए बच्चों और उनके माता–पिता और देखभाल करने वालों को सलाह देता है।

चाइल्डलाइन

Childline

टेलिफ़ोन : 0800 11 11

24 घंटे उपलब्ध राष्ट्रीय फ़्रीफ़ोन हैल्पलाइन

चिलरंज़ लीगल सेंटर

Children`s Legal Centre

University of Essex
Wivenhoe Park, Colchester, CO4 3SQ
टेलिफ़ोन : 01206 873 820

ईमेल : clc@essex.ac.uk

क़ानूनी मुद्दों पर मुफ़्त सलाह और जानकारी सुबह 10.00 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक और दोपर 2.00 बजे से शाम 4.30 बजे के बीच। रोज़ाना सोमवार से शुक्रवार तक।

किड्स्केप

Kidscape

टेलिफ़ोन : 08451 205 204 (कॉल के दाम स्थानीय दरों पर वसूल होंगे)

बुलिईंग के मामलों और लैगिक दुराचार, बुलिइंग और अध्यापकों, माता–पिताओं और देखभाल करने वालों की सुरक्षा के बारे में मार्गनिर्देश के लिए टेलिफ़ोन पर मदद देने वाली हैल्पलाइन।

सुबह 10.00 बजे से दोपहर 4.00 बजे के बीच रोज़ाना सोमवार से शुक्रवार तक।

एन एस पी सी सी चाइल्ड प्रोटैक्शन हैल्पलाइन

NSPCC Child Protection Helpline

टेलिफ़ोन : 0800 800 500

ईमेल : help@nspcc.org.uk

24 घंटे उपलब्ध फ्रीफ़ोन सेवा जिसमें कोई भी व्यक्ति जो किसी बच्चे की सुरक्षा के बारे में चिंतित है, उसे काउंसिलिंग की जानकारी और सलाह उपलब्ध है।

अपनी लोकल विक्टिम सपोर्ट शाखा से संपर्क कीजिए

Victim Supportline

0845 30 30 900

विक्टिम सपोर्टलाइन आपको अपनी लोकल विक्टिम सपोर्ट शाखा से संपर्क भी करा सकती है।

विक्टिम सपोर्ट द्वारा प्रकाशित
अध्यक्षा एच आर एच द प्रिंसेस रॉयल

Victim Support National Office, Cranmer House,
39 Brixton Road, London, SW9 6DZ
टेलिफ़ोन : 020 7735 9166 फ़ैक्स : 020 7582 5712
वैबसाइट : www.victimsupport.org

चरैरिटी रजिस्ट्रेशन : 298028 कम्पनी नंबर: 2158780
वैबसाइट इंग्लैंड में लिमिटेड बाई गारंटी के रूप में पंजीकृत
वैबसाइट रजिस्टर्ड ऑफ़िस का पता ऊपर दिया हुआ है

जनवरी 2003